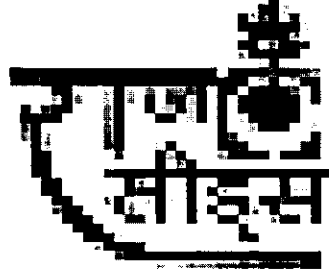


राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड



कवाई फार्म का वर्ष 2020-21 के ठेके हेतु ई-निविदा प्रपत्र

निविदा संबंधित महत्वपूर्ण दिनांक		दिनांक एवं समय
1	निविदा प्रकाशन की दिनांक	15.04.2020
2	निविदा प्रस्तुत करने की प्रारम्भ दिनांक	15.04.2020
3	निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम दिनांक एवं समय	07.05.2020 सायं 6.00 बजे तक
4	अमानत राशि, बिड फीस एवं प्रोसेसिंग फी के डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कराने की अन्तिम दिनांक, समय एवं स्थान	08.05.2020 अपरान्ह 1.00 बजे तक, स्थान क्षेत्रीय प्रबन्धक कार्यालय, कोटा
5	निविदा खोलने की दिनांक एवं समय	08.05.2020 अपरान्ह 3.00 बजे

राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड

क्रमांक: ९८

दिनांक 15.4.2020

खुली निविदा सूचना-

राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लि., कोटा द्वारा कवाई फार्म को बीज उत्पादन हेतु टेके पर देने हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदाये दिनांक 07.05.2020 को सांयकाल 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

फार्म का नाम	सुरक्षित राशि	अमानत राशि	निविदा शुल्क मय GST	ई-निविदा हेतु प्रोसेसिंग शुल्क मय GST
कवाई (बांरा)	26,00,000	52,000	590	590

1. निविदाये राज्य सरकार की ई-निविदा वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से प्रस्तुत की जानी है। इस निविदा से संबंधित समस्त वांछित जानकारी एवं प्रपत्र इस वेबसाइट, एसपीपी पोर्टल राजस्थान सरकार www.sppp.rajasthan.gov.in, निगम वेबसाइट www.rajseeds.org एवं राजस्थान सरकार की कृषि पोर्टल www.agriculture.rajasthan.gov.in पर देखे या डाउन लोड किये जा सकते है।

जसवंत सिंह
(प्रबन्ध निदेशक)

राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड

क्रमांक: 96

दिनांक 15.4.2020

बोली आमंत्रण सूचना-

राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लि., कोटा द्वारा कवाई फार्म को बीज उत्पादक हेतु ठेके पर देने हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदाये आमंत्रित की जाती है।

फार्म का नाम	सुरक्षित राशि	अमानत राशि	निविदा शुल्क (मय GST)	ई-निविदा हेतु प्रोसेसिंग शुल्क (मय GST)
कवाई (बांरा)	26,00,000	52,000	590	590

1. निविदाये राज्य सरकार की ई-निविदा वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। इस निविदा से संबंधित समस्त वांछित जानकारी एवं प्रपत्र इस वेबसाइट, एसपीपीपी पोर्टल राजस्थान सरकार www.sppp.rajasthan.gov.in, निगम वेबसाइट www.rajseeds.org एवं राजस्थान सरकार की कृषि पोर्टल www.agriculture.rajasthan.gov.in पर देखे या डाउन लोड किये जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुये ई-निविदा प्रपत्र इस वेबसाइट पर दिनांक 15.04.2020 से दिनांक 07.05.2020 मध्याह्न पश्चात् 6.00 बजे तक अपलोड किये जा सकते हैं। अमानत राशि व निविदा शुल्क हेतु निर्धारित राशि का डिमान्ड-ड्राफ्ट राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कारखाना बाग, बजरंग नगर, कोटा एवं ई-निविदा प्रोसेसिंग शुल्क का डिमाण्ड-ड्राफ्ट MD, RISL, Jaipur के नाम बनवाया जाना अनिवार्य है एवं डिमाण्ड-ड्राफ्ट क्षेत्रीय प्रबन्धक कार्यालय, कारखाना बाग, बजरंग नगर, कोटा पर दिनांक 08.05.2020 को अपराह्न 1.00 बजे तक जमा करवाया जाना अनिवार्य है। प्राप्त ई-निविदा दिनांक 08.05.2020 मध्याह्न पश्चात् 3.00 बजे खोली जावेगी।
2. निविदा प्रपत्र में दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही भरा जाना अनिवार्य है।
3. अमानत राशि, निविदा शुल्क एवं ई-निविदा प्रोसेसिंग फीस की राशि डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से प्रस्तुत की जावे।
4. निर्धारित अमानत राशि, निविदा शुल्क एवं ई-निविदा प्रोसेसिंग शुल्क के अभाव में निविदा निरस्त कर दी जावेगी।
5. उक्त ई-निविदायें केवल www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से ही स्वीकार की जावेगी।
6. सशर्त निविदायें स्वीकार नहीं की जावेगी।
7. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये पूर्ण अथवा आंशिक रूप से निरस्त करने का अधिकार आर.एस.एस.सी. का होगा।

जसवंत सिंह
(प्रबन्ध निदेशक)

निविदादाता हेतु दिशा-निर्देश

1. निविदादाता द्वारा निविदा प्रपत्र का पूर्णतः अध्ययन कर भरा जावे एवं प्रत्येक पेज पर हस्ताक्षर किये जावे, जिससे यह समझा जावे कि आप द्वारा निविदा की सभी नियम व शर्तों का अध्ययन कर लिया गया है एवं सभी शर्त एवं नियम निविदादाता को मान्य है।
2. निविदा प्रपत्र में निविदा भरी जावे। निविदा के साथ निविदादाता द्वारा सभी वांछित दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
3. निविदा प्रपत्र में किसी भी प्रकार की कांट छांट मान्य नहीं होगी। यदि कांट छांट की जाती है तो संबंधित निविदादाता के हस्ताक्षर मय सील के साथ ही मान्य होगी। कांट छांट पर हस्ताक्षर नहीं पाये जाने पर पूर्ण निविदा निरस्त समझी जावेगी।
4. अमानत राशि व निविदा शुल्क का डिमाण्ड-ड्राफ्ट RSSC, KOTA एवं ई-निविदा हेतु निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का डिमाण्ड-ड्राफ्ट MD, RISL, Jaipur के नाम बनवाकर निर्धारित समय तक क्षेत्रीय प्रबन्धक कार्यालय, कोटा पर जमा कराना अनिवार्य होगा।
5. उपस्थित निविदादाता अथवा उसके प्रतिनिधी के समक्ष निर्धारित तिथि व समय पर निविदा खोली जावेगी।
6. निविदा स्वीकृत होने पर ठेकेदार द्वारा 15 दिवस में 500/- रु. के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर शर्तों का अनुबंध-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
7. निविदा में दी गई दरें ही मान्य होगी जिसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जायेगा।
8. असफल निविदादाताओं की जमा अमानत राशि बिना ब्याज के शीघ्र लौटा दी जावेगी व सफल निविदादाता की जमा अमानत राशि धरोहर राशि के रूप में समायोजित कर ली जावेगी।
9. यह निविदा अनिवार्य रूप से राज्य सरकार एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा ई-निविदा हेतु निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं चैक लिस्ट में दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही भरी एवं अपलोड की जावे।

वर्ष 2020-2021 के लिये कवाई फार्म (बारा) को बीज उत्पादन हेतु ठेके पर लेने के लिए वित्तीय निविदा

फार्म का नाम:- कवाई फार्म (बारा)

निविदादाता का नाम _____

पूरा पता _____

दूरभाष नम्बर _____ मोबाइल नम्बर _____

निविदादाता द्वारा दी गई दर :-

क्र. सं.	वर्ष	ठेका राशि अंको में (घास, लूम व पातडी सहित)	ठेका राशि शब्दों में (घास, लूम व पातडी सहित)
1	2020-21		

हमने उपरोक्त वर्णित फार्म का निरीक्षण कर लिया है व निविदा की शर्तों भी पढ़ ली है, जिनसे हम पूर्णतया सहमत है। हमारी दरे निविदा की शर्तों अनुसार ही दी गई है।

निविदादाता के हस्ताक्षर

दिनांक:-

निविदादाता का नाम व पूरा पता

स्थान:-

फार्म ठेका शर्तः-

1. राज्य सरकार के आदेशानुसार किसी भी परिवार/व्यक्ति/ठेकेदार/संस्थान के पास फार्म का ठेका लगातार तीन वर्षों से अधिक नहीं होगा। यदि किसी व्यक्ति/ठेकेदार/संस्थान के पास फार्म का ठेका पूर्व में एक वर्ष हेतु है तो, उच्चतम बोली देने पर दो वर्ष, अगर गत दो वर्षों से फार्म ठेके पर है तो, उच्चतम बोली देने पर वह एक वर्ष हेतु ठेका लेने का ही पात्र होगा एवं जिसके तीन वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, वह फार्म का ठेका लेने का पात्र नहीं होगा।
2. (अ) किसी भी परिवार/व्यक्ति/ठेकेदार/संस्थान द्वारा फार्म ठेके पर लिये जाने के क्रम में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी हैसियत प्रमाण पत्र न्यूनतम राशि रु. 26.00 लाख तक का निविदा के साथ प्रस्तुत करना होगा। इसके अभाव में निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
(ब) किसी भी परिवार/व्यक्ति/ठेकेदार/संस्थान द्वारा फार्म ठेके पर लिये जाने के क्रम में चल व अचल सम्पत्ति का विवरण स्वयं द्वारा सत्यापित कर निविदा के साथ प्रस्तुत करना होगा।
3. ठेकेदार/फार्म/व्यक्ति को निविदा के साथ 52000/- रु. अमानत राशि (EMD) का डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर्स चैक क्षेत्रीय प्रबन्धक कार्यालय, कोटा के नाम प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
4. निविदा फार्म निर्धारित फीस रु. 590/- (जीएसटी) सहित निविदा खोलने की दिनांक 08.05.2020 को समय 1.00 बजे तक जमा कराना होगा।
5. ई-निविदा ऑन-लाईन दिनांक 15.04.2020 से 07.05.2020 को सांय 6:00 बजे तक स्वीकार की जावेगी। ई-निविदाएं दिनांक 08.05.2020 को अपराह्न 3:00 बजे खोली जावेगी। निविदा निर्धारित प्रपत्र में ही स्वीकार की जावेगी।
6. यदि राज्य सरकार द्वारा निगम के किसी फार्म की अथवा फार्म के हिस्से की मांग की जाती है तो राज्य सरकार की मांग के मद्देनजर ठेकेदार को पूर्ण फार्म अथवा फार्म के निर्देशित हिस्से को पुनः निगम को लौटाना होगा (इस बाबत सीजन समाप्ति के साथ ही अथवा तीन माह के नोटिस पर फार्म का हिस्सा अथवा पूरा फार्म निगम को पुनः लौटाना होगा)। निगम को प्राप्त होने वाली ठेके की राशि का निर्धारण इसी के अनुरूप किया जाएगा तथा निर्धारित राशि ठेकेदार को बिना किसी शर्त के माननी होगी।
7. फार्म जैसी स्थिति में है उसी स्थिति में दिया जायेगा तथा निविदा पश्चात फार्म पर किसी भी अन्य सुविधा की यदि मांग की जाती है तो वह मान्य नहीं होगी। जिन फार्मों पर सिंचाई का साधन या ट्यूबवेल स्थित है वहाँ ठेकेदार अपने स्वयं के संसाधनों से ही इनका पानी उपयोग में ले सकता है।
8. फार्म को ठेके पर लेने के उपरान्त किसी भी कारण अथवा परिस्थितिवश फसल नहीं हो पाती है तो निगम की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
9. बीजोत्पादन के लिए आधार/प्रजनक बीज निगम द्वारा निर्धारित दर पर नगद ही विक्रय किया जावेगा।
10. ठेकेदार द्वारा फार्म एक वर्ष हेतु ठेके पर लेने हेतु एक वर्ष की दर प्रस्तुत करनी होगी।

निविदादाता के हस्ताक्षर

11. फार्म पर ठेकेदार द्वारा बिजली के किये गये समस्त प्रकार के उपयोग (निगम की सबमर्सिबल मोटर लगी होने पर ठेकेदार द्वारा उसका उपयोग करने व अन्य उपयोग) करने पर बिजली के बिल का खर्च ठेकेदार को वहन करना होगा। ठेकेदार द्वारा ट्यूबवेल/बोरवेल/कुँए तथा अन्य बिजली कनेक्शन का उपयोग नहीं करने की दशा में भी बिजली विभाग द्वारा जारी किये जाने वाले न्यूनतम बिल का भुगतान भी ठेकेदार द्वारा निर्धारित समय पर किया जाना अनिवार्य होगा। बिजली बिल के भुगतान की रसीद क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में जमा करानी होगी। बिजली अन्य कृषि उपकरण/मशीनरी की व्यवस्था स्वयं ठेकेदार को अपने स्तर पर करनी होगी।
12. फार्म पर उपलब्ध कृषि उपकरण/मशीनरी देने या न देने का निर्णय निगम का होगा। निगम द्वारा उपलब्ध करायी गयी समस्त मशीनरी व मोटर आदि की मरम्मत, रख-रखाव व सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं ठेकेदार की होगी।
13. ठेकेदार फार्म के ठेके से पूर्व फार्म पर स्थित समस्त परिसम्पत्ति (चल व अचल) हेतु अन्डरटेकिंग देगा व ठेका पूर्ण होने पर यथा स्थिति में निगम को लौटायेगा। विभागीय भवनों का व्यवसायिक उपयोग नहीं करेगा। इसमें किसी भी प्रकार का ह्रास या नुकसान होने की स्थिति में इसकी भरपायी ठेकेदार से की जावेगी।
14. पानी की नालियां/सिंचाई धोरे इत्यादि की सफाई स्वयं को करनी होगी।
15. बीज उत्पादन कार्यक्रम के लिए पृथक्करण दूरी, रोगिंग व अन्य कार्य प्रमाणीकरण मापदण्डों के अनुसार ही रखना/करना होगा।
16. बीज की बुवाई, रोगिंग, फसल कटाई, थ्रेसिंग, बीज को बोरियों में भरना इत्यादि कार्य निगम प्रतिनिधि के निर्देशानुसार ही सम्पन्न कराये जावेंगे।
17. यदि ठेकेदार द्वारा प्रमाणीकरण संस्था के अधिकारियों द्वारा अन्तिम निरीक्षण के दौरान दी गयी न्यूनतम अनुमानित उपज के 80 प्रतिशत से कम रॉ बीज जमा कराया जाता है तो उसे क्षेत्रीय प्रबंधक के कार्यालय में उस सीजन के छः माह(खरीफ सीजन की फसलों के लिए अप्रैल से सितम्बर माह तक तथा रबी फसलों के लिए अक्टूबर से मार्च माह तक) के ठेके की राशि का 5 प्रतिशत राशि जुर्माने के रूप में जमा करानी होगी। यदि प्रमाणीकरण संस्था के अधिकारियों द्वारा अनुमानित उपज आंकलन करने के पश्चात् मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों की वजह से उत्पादन न्यूनतम अनुमानित उपज से कम होता है तो उक्त परिस्थितियों के साक्ष्य प्रस्तुत करने पर जुर्माना राशि माफ करने का अधिकार प्रबंध निदेशक को होगा।
18. बीजोत्पादन के लिए कृषि विभाग की सिफारिशों के अनुसार बीज उपचार, खाद एवं उर्वरक उपयोग, कीटनाशकों का उपयोग इत्यादि निर्धारित मापदण्डों के अनुसार प्रयोग में लाने होंगे।
19. बीज उत्पादन प्रक्रिया पर होने वाले समस्त प्रकार के खर्च ठेकेदार को वहन करने होंगे।
20. फार्म पर जो भी परिसम्पत्तियां ठेकेदार को सौंपी जायेंगी, उनकी सुरक्षा तथा ठेका अवधि समाप्त होने के बाद उनको वापिस उसी अवस्था में निगम को लौटाने का दायित्व सम्बन्धित ठेकेदार का होगा। ठेकेदार द्वारा निगम की किसी परिसम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने पर या निगम को वापिस नहीं लौटाने पर निगम को होने वाली हानि का आंकलन क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा किया जावेगा तथा यह राशि क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा ठेकेदार से वसूल की जावेगी।

निविदादाता के हस्ताक्षर

21. फार्म पर स्थित समस्त पेड़ों/वृक्षों पर संख्या (नम्बर) का आंकलन निगम द्वारा किया गया है जिनको पूर्ण संख्या में ठेका समाप्ति के पश्चात सम्बन्धित क्षेत्रीय प्रबन्धक को गिनवाने होंगे तथा यदि इसमें कमी पायी जाती है या ठेकेदार द्वारा पेड़ों की कटाई करवायी जाती है तो ठेकेदार से इनकी कीमत वसूल की जावेगी तथा नियमानुसार विधिक कार्यवाही भी की जावेगी। ठेकेदार द्वारा फार्म पर उपलब्ध घास/लूम/पातडी का निस्तारण करने से पूर्व क्षेत्रीय प्रबन्धक को सूचना देनी होगी तथा निगम के प्रतिनिधि की उपस्थिति में ही इनके निस्तारण की कार्यवाही करवायी जा सकेगी।
22. ठेकेदार द्वारा फार्म ठेके पर लेने की स्थिति में फार्म में कुल बोये जाने वाले क्षेत्र का 10 प्रतिशत हरी खाद (ग्रीन मैन्योरिंग) हेतु प्रयोग में लेना होगा। साथ ही कृषि विभाग के मानदण्डों के अनुसार किसी एक वर्ष में गोबर की खाद (एफ.वाई.एम.) का प्रयोग बीज उत्पादन के सम्पूर्ण क्षेत्र में करना होगा।
23. फार्म पर उत्पादित बीज की राशि का भुगतान ठेकेदार को निगम की निर्धारित क्रय नीति के अनुसार किया जायेगा तथा बीज उत्पादन व विधायन के समस्त व्यय सामान्य बीज उत्पादकों की तरह स्वयं ठेकेदार को वहन करने होंगे।
24. ठेकेदार का स्टेटस केवल एक लाइसेंस का होगा व उसे केवल बीज उत्पादन के लिए फार्म को काम में लेने का हक होगा। फार्म पर सदैव कब्जा निगम का रहेगा व ठेका अवधि के अन्तिम सीजन में फार्म पर उत्पादित राँ बीज निगम के विधायन संयन्त्र पर जमा कराने के पश्चात ठेकेदार का फार्म में प्रवेश बन्द कर दिया जायेगा।
25. ठेकेदार को क्षेत्रीय प्रबन्धक द्वारा बीजोत्पादन हेतु निर्धारित किये गये फार्म प्लान के अनुसार ही बीजोत्पादन लेना होगा तथा अन्य कोई भी फसल नहीं बोई जायेगी। यदि फार्म प्लान के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रकार की फसल ठेकेदार द्वारा बोयी जाती है तब संबंधित फार्म की कुल ठेका राशि की 5 प्रतिशत राशि जुमाने के रूप में संबंधित ठेकेदार से वसूली जायेगी। मुख्यालय द्वारा चारा फसलों के बीजोत्पादन कार्यक्रम का आवंटन किये जाने पर फार्म के 25 प्रतिशत क्षेत्रफल पर चारा बीजोत्पादन भी लिया जाना अनिवार्य होगा। बीजोत्पादन हेतु निर्धारित किये गये फार्म प्लान में क्षेत्रीय प्रबन्धक द्वारा आवश्यकता अनुसार संशोधन किया जा सकेगा। फार्मों पर मुख्य रूप से प्रजनक से आधार बीज उत्पादन कार्यक्रम ही आवंटित किया जावेगा। प्रजनक बीज उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में आधार से प्रमाणित बीजोत्पादन कार्यक्रम का आवंटन क्षेत्रीय प्रबन्धक की अनुमति के उपरान्त किया जा सकेगा। क्षेत्रीय प्रबन्धक द्वारा जारी फार्म प्लान के अनुसार सम्बन्धित संयन्त्र प्रबन्धक द्वारा बीजोत्पादन हेतु बीज उपलब्ध करवाया जाकर बीजोत्पादन कार्यक्रम का आयोजन कराया जायेगा।
26. ठेकेदार को फार्म के किसी भी क्षेत्र को अन्य कृषकों को सबलेट करने का अधिकार नहीं होगा।
27. अनुबन्ध की शर्तों के तहत दोनों पक्षों में किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में प्रथम अपील प्राधिकारी प्रबंध निदेशक एवं द्वितीय अपील प्राधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि, राजस्थान सरकार होंगे।

निविदादाता के हस्ताक्षर

28. क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा ठेका स्वीकृति की सूचना देने के पन्द्रह दिवस के अन्दर सफल निविदा दाता को निविदा की शर्तों का 500/- रुपये के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पर अनुबंध करना होगा। अनुबंध के साथ ठेकेदार द्वारा कुल ठेका राशि का 5 प्रतिशत प्रतिभूति राशि व अग्रिम चैक निम्नानुसार क्षेत्रीय प्रबंधक के कार्यालय में जमा कराने होंगे। निर्धारित समय पर अनुबंध नहीं करने एवं SD राशि जमा नहीं कराने पर अमानत राशि जब्त की जाकर आर.टी.पी.पी. नियमों के प्रावधान अनुसान कार्यवाही की जावेगी। सफल ठेकेदार का चयन अधिकतम ठेका राशि के आधार पर किया जावेगा।
- I. **प्रतिभूति राशि** – कुल ठेका राशि की 5 प्रतिशत प्रतिभूति राशि के रूप में क्षेत्रीय प्रबंधक के कार्यालय में जमा करानी होगी। निविदा के समय प्रस्तुत ई.एम.डी. का समायोजन प्रतिभूति राशि में कर लिया जायेगा।
- II. **अमानत (EMD) राशि का निस्तारण :-**
यदि फार्म के ठेके के समय अमानत (EMD) राशि प्राप्त की जाने वाली 05 प्रतिशत प्रतिभूति राशि से अधिक है तो अमानत (EMD) राशि में से 05 प्रतिशत प्रतिभूति राशि रखते हुए शेष राशि ठेकेदार को लौटा दी जावेगी अथवा फार्म ठेके की 25 प्रतिशत एक मुश्त राशि में समायोजित कर ली जावेगी।
- III. **ठेका राशि का भुगतान-**
- (1) कार्यादेश से पूर्व अनुबंध के समय कुल ठेका राशि की 25 प्रतिशत राशि एकमुश्त क्षेत्रीय प्रबंधक के कार्यालय में जमा करानी होगी। ठेके के लिए शेष राशि के तीन समान किस्तों के चैक क्षेत्रीय प्रबंधक के कार्यालय में जमा कराने होंगे। इन चैको में किस्त जमा कराने की अन्तिम दिनांक अंकित होगी। इसके लिए सभी चैको पर किस्त की नियत राशि एवं वसूली की अंतिम दिनांक क्रमशः 30 सितम्बर, 31 जनवरी एवं 15 मई अंकित करते हुए प्रस्तुत करने होंगे।
- (2) फार्म ठेके के प्राप्त चैक निर्धारित तिथि को बैंक में जमा कराये जावेंगे तथा चैक बाउन्स होने की स्थिति में ठेकेदार को फार्म पर कार्य नहीं करने दिया जावेगा तथा एक माह की देरी तक राशि जमा कराने पर प्रति सप्ताह चैक की राशि का एक प्रतिशत की दर से जुर्माना राशि वसूल की जायेगी। एक माह के बाद राशि जमा कराने की स्थिति में चैक की राशि का 5 प्रतिशत जुर्माना राशि वसूल की जावेगी। जुर्माना राशि माफ करने या कम करने का अधिकार प्रबंध निदेशक को होगा।
29. निविदा शर्तों के अनुसार निर्धारित अवधि में अनुबंध पत्र (Agreement) नहीं करने एवं निर्धारित धरोहर राशि जमा नहीं कराने पर निविदा के साथ प्रस्तुत अमानत राशि जब्त कर ली जावेगी।
30. ठेकेदार द्वारा उपरोक्तानुसार अनुबंध करने, प्रतिभूति राशि व पूर्ण ठेका राशि के चैक जमा करवाने के पश्चात् ही क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा कार्यादेश जारी किया जावेगा। इसके बाद फार्म अनुमोदित ठेकेदार को नियमानुसार सौंपा जायेगा। क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा कार्यादेश जारी किये जाने के पश्चात् ही क्षेत्रीय प्रबंधक/मुख्यालय द्वारा अनुमोदित फार्म प्लान के अनुसार सम्बन्धित संयन्त्र प्रबंधक बीजोत्पादन हेतु बीज उपलब्ध करायेगा।

निविदादाता के हस्ताक्षर

31. ठेकेदार द्वारा यदि फार्म ठेका अवधि के मध्य में ठेका छोड़ा जाता है तो फार्म ठेके की समस्त बकाया राशि फार्म ठेकेदार द्वारा निगम को देय होगी।
32. क्षेत्रीय प्रबन्धक द्वारा प्रतिभूति राशि (SD) ठेका अवधि पूर्ण होने के पश्चात् लौटायी जावेगी। प्रतिभूति राशि हेतु ठेकेदार द्वारा सम्बन्धित संयन्त्र प्रबन्धक से बकाया नहीं का प्रमाणपत्र (No Dues Certificate) प्राप्त कर क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में जमा कराना होगा।
33. दोनों पक्षों में विवाद उत्पन्न होने पर कोटा स्थित न्यायालय क्षेत्राधिकार होगा।

संलग्न:- फार्म पर लिये जाने वाला बीजोत्पादन कार्यक्रम का फार्म प्लान।

निविदादाता के हस्ताक्षर

निविदादाता का नाम व पूरा पता

फार्म पर लिये जाने वाले बीज उत्पादन का फार्म प्लान:-

क्र.सं.	सीजन	फसल	बीज का वर्ग	अनुमानित क्षेत्रफल (हे.)
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				

49

राजस्थान स्टेट सीड्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड

कवाई फार्म निविदा हेतु संलग्नकों की चैक लिस्ट

क्र.सं.	आईटम	जमा करवाने की प्रक्रिया	
1	अमानत राशि, निविदा शुल्क एवं ई-निविदा प्रोसेसिंग शुल्क का डिमाण्ड ड्राफ्ट	निर्धारित तिथि एवं समय तक संबंधित इकाई कार्यालय में जमा करवाना अनिवार्य है।	{ }
2	पैन नम्बर	www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड करें।	{ }
3	पूर्ण रूप से भरा हुआ निविदा प्रपत्र जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर निविदादाता की मोहर एवं हस्ताक्षर हो।	www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड करें।	{ }
4	100 रु. के नॉन ज्यूडिशियल स्टॉम्प पेपर पर शपथ-पत्र (किसी विभाग/संस्था द्वारा डीबार नहीं है।	www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड करें।	{ }
5	सक्षम अधिकारी द्वारा जारी हैसियत प्रमाण पत्र न्यूनतम राशि रु. 26,00,000/- तक	www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड करें।	{ }
6	स्वयं द्वारा सत्यापित चल-अचल सम्पत्ति का विवरण	www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड करें।	{ }

नोट:- उपरोक्तानुसार दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर निविदा निरस्त समझी जावेगी।

हस्ताक्षर मय सील निविदादाता

नाम:

पूरा पता:

अनुबंध

मै पुत्र श्री निवासी .

.....(प्रथम पक्ष) जिसे अनुबंध
में आगे ठेकेदार शब्द से उद्धृत किया गया है एवं क्षेत्रीय प्रबन्धक, राजस्थान स्टेट सीड्स कार्पोरेशन
लिमिटेड(द्वितीय पक्ष) जिसे अनुबंध में आगे निगम शब्द से सम्बोधित किया गया
है के मध्य आज दिनांक को निष्पादित किया गया है।

कवाई फार्म बारां वर्ष के लिए ठेके पर बीज उत्पादन हेतु राशि रु.
.....में संलग्न शर्तों के अधीन ठेके पर लिया गया है। निविदा क्रमांक
.....दिनांककी समस्त शर्तें इस करार का हिस्सा मानी जावेंगी।

क्षेत्रीय प्रबन्धक,
राजस्थान स्टेट सीड्स कार्पोरेशन लि.
.....
(द्वितीय पक्ष)

(ठेकेदार के हस्ताक्षर)
(प्रथम पक्ष)
नाम ठेकेदार
पिता का नाम
पता
.....
.....
मोबाइल नं.

गवाहों के नाम, पता एवं हस्ताक्षर
(1) नाम
पिता का नाम
पता
.....
.....
मोबाइल नं.

(2) नाम
पिता का नाम
पता
.....
.....
मोबाइल नं.

5/11

हस्ताक्षर

Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall -

- (a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- (g) disclose conflict of interest, if any; and
- (h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest:-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

- i. A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:
 - a. have controlling partners/ shareholders in common; or
 - b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or

- c. have the same legal representative for purposes of the Bid; or
- d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
- e. the Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or
- f. the Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid; or
- g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

UK

Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted to for procurement of
..... in response to their Notice Inviting Bids
No.....

Dated I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in
Public Procurement Act, 2012, that:_____

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document;
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or' to have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;
6. That our firm is not involved in any litigation with any state/central govt. deptt./public undertaking etc.

Date:

Place:

Signature of bidder

Name :

Designation:

Address:



Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is A.C.S., Department of Agriculture Government of Rajasthan.

The designation and address of the Second Appellate Authority is Fainance Department Government of Rajasthan.

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued thereunder, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavor to dispose it of within thirty days from the date of the appeal.

(3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

- (a) determination of need of procurement;
- (b) provisions limiting participation of Bidders in the Bid process;

- (c) the decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) cancellation of a procurement process;
- (e) applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

- (a) An appeal under pars (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.
- (b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.
- (c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorised representative.

(6) Fee for filing appeal

- (a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand ~~five~~ hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.
- (b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) Procedure for disposal of appeal

- (a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.
- (b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,
 - (i) hear all the parties to appeal present before him; and
 - (ii) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.
- (c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.
- (d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement

Act, 2012

Appeal No of
Before the (First / Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant:

- (i) Name of the appellant:
- (ii) Official address, if any:
- (iii) Residential address:

2. Name and address of the respondent(s):

- (i) Name
- (ii)
- (iii)

3. Number and date of the order appealed against

and name and designation of the officer / authority who passed the order (enclose copy), or a statement of a decision, action or omission of the Procuring Entity in contravention to the provisions of the Act by which the appellant is aggrieved:

4. If the Appellant proposes to be represented

by a representative, the name and postal address of the representative:

5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:

6. Grounds of appeal:

.....
.....
.....

..... Supported by an Affidavit)

7.

Prayer:

.....
.....

Place.....

Date.....

Appellant's Signature

UN

Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors :

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

- i. if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;
- ii. if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
- iii. if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.

If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities:

- (i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed fiftypercent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.
- (ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.
- (iii) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than 50% of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

Date: _____

Place: _____

Signature of bidder _____

Name :

Designation

Address:

49

Declaration and Undertaking

(on non-judicial stamp paper of Rs.100/-)

I (Name and complete address) _____ Sole
Proprietor / authorised signatory of the firm (Name and complete
address) _____ do hereby solemnly affirm and declare that the individual/
firm/ company is not blacklisted/banned/debarred on any ground by Bid Inviting
Authority or Govt. of Rajasthan or its departments on the date of bid submission.

(Name of Deponent & Signature)

Verification

I (Name) _____
Address: _____ S/o _____ (Designation)
_____ Affirm on oath that the contents/information as mentioned above, are
true & correct to the best of my knowledge and nothing is hidden. I also declare on oath
that if any information furnished by me as above is found wrong, forged or fabricated the
Corporation will be at liberty to cancel the Bid for which I shall be solely responsible and
the firm may be Debarred/Banned/blacklisted/prosecuted for the same.

(Name of Deponent & Signature)

